कोरोना की वैक्सीन की उपयोगिता और उससे सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ

Piramal Foundation

aspirational districts collaborative
संकल्प • सेवा • समाधान

NITI Aayog

आधारभूत विवरण

विषय रूपरेखा: कोरोना के टीके की उपयोगिता की जानकारी

कॉलर: स्वयंसेवक द्वारा नागरिक को

अवधि: लगभग १० मिनट

संदर्भ:

एक व्यक्ति को ये समझाना की कोरोना का टीका लगवाना क्यों उसके और उसके परिवार के सभी १८ वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों के लिए आवश्यक है?

संरचना

नमस्ते मैं ....., ... नामक संस्था के साथ जुड़ा एक स्वयंसेवक हूँ.
मैं आपसे कोरोना के टीकाकरण से सम्बंधित कुछ बात करना चाहता हूँ | क्या आपसे बात करने का ये सही समय है?

परिस्थिति 1. जब लोग टीका लगवाने के लिए तैयार है और किसी अन्य कारण से लगवा नही रहें हैं

उनकी सहमति के पश्चात स्वयंसेवक को निम्न प्रश्न पूछने चाहिए ?

१. आपके घर में १८ वर्ष से ऊपर के कितने व्यक्ति हैं?
२. क्या सबने टीका लगवा लिया?
३. यदि सबने लगवा लिया है तो स्वयंसेवक को उनको इस कार्य के लिए बधाई देनी चाहिए और ये कहना चाहिए कि वो लोग अपने आस पास के उन लोगों को जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है उनको प्रोत्साहित करें की वो भी टीका लगवाएं.
४. यदि कुछ में लगवाया है और कुछ ने नहीं लगवाया है तो ना लगवाने वालों के, ना लगवाने का कारण पूछें
५. यदि वो रजिस्ट्रेशन ना होने की वजह से नहीं लगवा पा रहें है तो उनको वाक-इन के बारे में बताएं |

परिस्थिति 2 : जब परिवार के सदस्यों ने टीका नहीं लगवाया है और किसी डर की वजह से लगवाना भी नही चाहते

स्वयं सेवक परिवार से बात करके यह पता लगाए की टीका न लगवाने के क्या कारन है , और वह उनकी कैसे मदद कर सकता है

बातचीत के दौरान मुख्य बिंदू जिनपर बात करना आवश्यक है

१. यदि बाकी लोग किसी डर या अफवाह के कारन नही लगवा रहें है तो अफवाह और तथ्य वाली जानकारी के अनुसार उनका डर कम करें और उनको लगवाने के लिए प्रोत्साहित क
२. उनको ये जरुर बताएं की टीके के अलावा कोई दूसरा उपाय अभी नही है.

३. इस बात पे भी जोर दें की टीका संक्रमित होने की दशा में स्थिति गंभीर होने से बचा सकता है|
४. उनको टीका लगवाए हुए लोगो का उदहारण दे कर समझाएं
५. आप ये भी कहें की अपने खुद लगवा लिया है या कब लगवाने वालें है .
६. पूरी बातचीत में इस बात पे जोर दें कि कोरोना को जड़ से समाप्त करने के लिए वर्तमान समय में टीका ही उपाय है
७. स्वयंसेवक उनसे पूछे कि टीकाकरण के लिए अगर उनको कोई सहायता तो नही चाहिए ? मांगी गयी सहायता यदि टीकाकरण केंद्र और पंजीयन से सम्बंधित हो तो उसका समाधान करें और यदि मेडिकल हो तो डाक्टर से सलाह लेने को कहें|

भ्रम/अफवाह

मिथक 1- वैक्सीन से होता है कोविड

कई लोग हैं जिन्हें वैक्सीन दी गई उसके बाद भी वह संक्रमित हो गए। इसके चलते वैक्सीन के असर को लेकर शक किया जाने लगा है। हालांकि यह सही नहीं है। एक बात जो यहां समझने की है वह यह कि कोविड वैक्सीन संक्रमण के खिलाफ एक हद तक प्रभावी है लेकिन यह वायरस की गंभीरता और मृत्यु दर को 100 प्रतिशत कम करती है।वैक्सीन इंफेक्शन की संभावना को भी कम करती है इसलिए इसके बारे में संदेह करने की कोई वजह नहीं है।डॉक्टर कहते हैं कि यह वैक्सीन दूसरी डोज लेने के 14 दिन बाद ही पूरी तरह प्रतिरोधक क्षमता विकसित करती है उसके बाद भी आपको मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी है। ये तब तक किया जाना चाहिए जब तक कि बड़े स्तर पर लोग निगेटिव न हो जाएं।

मिथक 2- वैक्सीन से प्रजनन क्षमता पर असर

वैक्सीन को लेकर एक अफवाह और भी है कि वैक्सीन आपकी प्रजनन क्षमता को खत्म करता है और बांझपन की समस्या पैदा करती है। लेकिन ये बात पूरी तरह से गलत है और इस बारे में ध्यान देने की जरूरत ही नहीं है। ऐसी अफवाहें कई वैक्सीन के साथ पहले भी फैलाई जाती रही हैं। कोविड-19 या किसी अन्य वैक्सीन से बांझपन या यौन रोग को लेकर कोई साइड इफेक्ट नहीं है। आज तक किसी भी शोध में ऐसी कोई बात सामने नहीं आई है और न ही इसके कोई प्रमाण मिले हैं। यह अफवाह इस वजह से फैली है क्योंकि अभी गर्भवती महिलाओं को इस टीके से अलग रखा गया है। गर्भवती महिलाओं को इसलिए बाहर रखा गया है क्योंकि उनके अंदर प्रतिरक्षा की कमी होती है।

मिथक 3: COVID 19 टीके गंभीर साइड इफेक्ट का कारण बनते हैं।

कुछ अल्पकालिक, हल्के या मध्यम वैक्सीन प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं जो अपने आप हल हो जाती हैं और यदि आवश्यक हो, तो आपको उन्हे रोकने के लिए कुछ निर्धारित दवा लेने की सलाह दी जा सकती है। इनसाइड इफेक्ट्स में इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द, सिरदर्द, थकान, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द या बुखार हो सकता है जो एक या दो दिन तक रह सकता है। ये साइड इफेक्ट्स संकेत हैं कि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली वैक्सीन का जवाब दे रही है। मार्गदर्शन के लिए आप हमेशा अपने चिकित्सक से संपर्क कर सकते हैं।

मिथक4 : COVID-19 वैक्सीन वास्तव में गंभीर दष्प्रभावों और एलर्जी प्रतिक्रियाओं का कारण बनता है।

अन्य वैक्सीनों की तरह, इस वैक्सीन के सौम्य दष्प्रभाव हो सकते हैं। सबसे आम दष्प्रभावों में थकान, सिरदर्द, इंजेक्शन लगाए गए भाग के आसपास दर्द या उसका लाल होना, और मांसपेशियों या जोड़ों का दर्द शामिल हैं। हालांकि यह दष्प्रभाव तकलफदेह होते हैं, ये सभी संकेत होते हैं कि आपका शरीर COVID-19 का कारण बनने वाले वायरस से खुद को बचाने के लिए काम कर रहा है। जिन लोगों को इस वैक्सीन के घटकों से गंभीर एलर्जी प्रतिक्रियाएं हो चुकी है उन्हें वैक्सीन नहीं लगवाना चाहिए।

मिथक 5: डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर, हार्ट डिजीज, कैंसर से पीड़ित लोग वैक्सीन लगने के बाद कमजोर हो सकते हैं।

यह एक ऐसा ग्रुप है, जिसे भारत सरकार ने प्रायोरिटी ग्रुप में रखकर वैक्सीनेट किया था। इन लोगों को इन्फेक्शन होने पर गंभीर लक्षण होने की आशंका बढ़ जाती है। इस वजह से सलाह दी जाती है कि इस संवेदनशील ग्रुप को जब भी उपलब्ध हो कोविड वैक्सीन लगवा लेनी चाहिए। यह उन्हें इन्फेक्शन के गंभीर लक्षणों से सुरक्षित रखेगी।

स्वयंसेवक को कॉल समाप्त करने से पहले, यह ज़रूर देख लेना चाहिए कि, व्यक्ति को कोई अन्य समस्या तो नहीं श्रोताओं को किसी भी जानकारी में कोई भी संदेह हो तो पूछने को कहें और शुभकामनाओं के साथ कॉल को समाप्त करें|

क्या आपको कोई भी अन्य स्वास्थ्य संबंधी समास्या है? या, क्या आपको हमसे कोई मदद चाहिए?
आप उनको डॉक्टर द्वारा दी गई सलाह या दवा को जारी रखने को कहें, और अगली कॉल में उनकी स्थिति की जाँच करें|

Contact Details: